ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 05-07-2024

पटना(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-07-05 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-07-06	2024-07-07	2024-07-08	2024-07-09	2024-07-10
वर्षा (मिमी)	60.0	40.0	25.0	30.0	15.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	32.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	26.0	25.0	25.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	90	90	90	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	55	45	45	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	12	12	15	15
पवन दिशा (डिग्री)	120	80	100	80	80
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

• भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार जिले में दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय रहने का अनुमान है जिसके प्रभाव से 06-10 जुलाई के मध्य जिले में से मध्यम स्तर की वर्षा होने का अनुमान है। हालाँकि कुछ स्थानों पर भारी वर्षा भी हो सकती है। • अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है। • सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है। • पूर्वानुमान की अवधि में 10-12 किमी/घंटा की रफ्तार से दक्षिण-पछिया हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की अच्छी संभावना को देखते हुए खेतों में मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें।

लघु संदेश सलाहकार:

जिन क्षेत्रों में वर्षा के कारण खेतों में जल जमाव हो गया हो, सब्जी तथा मक्का की खेतों से जल निकास का उचित व्यवस्था करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	विगत वर्षा का लाभ उठाते हुए जो किसान धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हैं, नर्सरी गिराने का कार्य 10 जुलाई तक सम्पन्न कर लें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800-1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। 10 से 12 दिनो के बीचड़े वाली नर्सरी से खर-पतवार निकालें। आगे और वर्षा होने की संभावना को देखते हुए नीचली भूमि में विगत वर्षा का लाभ उठाते हुए धान की रोपनी का कार्य शुरु कर सकते है।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी आसमान साफ रहने पर करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो स्फुर, 20 किलो पोटाश तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय-13, राजेन्द्र अरहर-1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुशंसित है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लौकी	खरीफ मौसम की सब्जियाँ जैसे-कद्दू, नेनुआ, झींगली, खीरा की बुवाई कर आसमान साफ रहने पर कर सकते है । इसके लिए मिट्टी परिक्षण के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें। मिट्टी परिक्षण न होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर 20-25 टन सड़ा हुआ गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्रति हेक्टेयर 60 किलो ग्राम नेत्रजन, 50 किलो ग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलो ग्राम स्फूर का उपयोग करें। फसल 3 मी0X1 मी0 की दूरी पर लगायें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के लिए पूरा दूध निकालें और दूध दोहन के बाद थनों को कीटाणुनाशक घोल से धोयें। एफ० एम० डी० रोग से ग्रसित पशुओं के मुँह-खरों एवं थन को पोटाशियम परमेंगनेट की 1 % घोल से साफ करें। 6 माह से छोटे पशुओं में एवं गर्भवती पशुओं में टीकाकरण नहीं करवाएं | नवजात बछड़े एव बछड़ियों को अन्तः परजीवी नाशक दवा नियमित रूप से देना चाहिए।